सं. श्रो. वि./फरीदावाव/20-84/9840.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं. एस. जी. स्टील प्रा. लि., व्लाट नं० 6, सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊसिंग इस्टेट, बल्लबगढ़ (फरीदाबाद), के श्रमिक श्री राधाकांत दत्ता तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के संबंध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

स्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा अबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राधाकान्त दत्ता की सेवाग्रों का समापन त्यायौचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्री.वि./फरीदावाद/20-84/9847 - चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं एस. जी. स्टील प्रा. लि., प्लाट न० 6, सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊर्सिंग इस्टेट, बल्लवगढ़ (फरीदाबाद), के श्रीमक श्री जी. के. दास तथा उसके प्रवंशकों के मध्म इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीदांगिक विवाद है:

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, प्रव, प्रौद्योगिक विचाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (च) द्वारा प्रदास की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7(क) के प्रधीन श्रीद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिक्ट विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले, धिमक तथा प्रबन्धकों के मध्य स्थायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:----

क्या श्री जी. के. दास की सेक्समें का समापन न्याचोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह जिस राह्यत का हकदार है ?

सं० ब्रो.वि./फरीदाबाद/20-84/9854. चूंकि राज्यपाल, हरियाणा क्विंग राय है कि मै० एस. जी. स्टील प्रा. लि., प्लाट नं. 6, सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊसिंग इस्टेंट, बल्लबगढ़ (फरीदाबाद), के अमिक श्री वलदेव सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई प्रोचींगिक विवाद है ; गृ

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, भौद्योगिक विवाद भिन्नियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7(क) के भ्रधीन भौद्योगिक भ्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादगस्त या इससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री बलदेव सिंह की सेवामों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहंत का हकदार है ?

सं भी.वि./फरीदाबाद/20-84/9861 ---चूकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै. एस. जी. स्टील प्रा., िल., प्लाट नं. 6; सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊर्सिंग इस्टेट, बल्लबगढ़ (फरीदाबाद), के श्रमिक श्री मोहिद ग्रहमद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीधोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रौद्धोगिक विवाद श्रीविनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा(1) के खब्द (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रौद्धोगिक श्रिविकरण, हरियाणा, फरीदावाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

्क्या श्री मोहिद श्रहमद की सेवाश्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?